

विष्णु नमः ॥ ज्ञा वाहनादि ॥ चंदनयद्रु यवितयुष्मश ॥ तम
 कलसयुता ॥ इव कल नमः ॥ उ विष्णुवे नमः ॥ इमा हे व जायनम
 उं गं गमये नमः ॥ उ य सुनाय नमः ॥ इ स ज सु ये नमः ॥ इ ग लु ये नम
 उ न म्मिदा ये नमः ॥ उ ज्ञा दा व ये नमः ॥ उ का वा ये नमः ॥ इ स ज सु
 ये नमः ॥ इ स य स ग प स्था नमः ॥ इ मा ॥ लु य नमः ॥ इ स ज सु
 ये नमः ॥ इ ग म न स ये नमः ॥ उ व मि दा ये नमः ॥ इ ग व नमः ॥ इ य
 स द ग न ये नमः ॥ उ वि श्व मि या ये नमः ॥ उ स य स वि स्था नमः ॥ ज्ञा दि

ASHA ARCHIVES 3184

१८८ चण्देशी वृत्त पूजा

यादिनवग्रहस्थानम॥ॐ ऊँ ह्यस्तमादिचित्रादिस्थानम॥ॐ क
निकादिनक्षत्रस्थानम॥ॐ विष्णुसुदिनस्थानम॥ॐ मयाविद्वा
दज्ञाज्ञातिस्थानम॥ॐ नन्दादिनिधिस्थानम॥ॐ श्रीमृषुठियायन
म॥ॐ ऊँ मृतिश्च जायनम॥ॐ महाक्रीमिकिसहितायनम॥ॐ सैद्य
लूकलेहमयनम॥ॐ वाहनादि॥ॐ दनयक्षाययक्ष॥ ७ ॥ ॥ ॥
गीलयनिष्ठ॥ॐ गालययनम॥ॐ विद्युश्च जायनम॥ॐ उक्
दनायनम॥ॐ मूसवाहनायनम॥ॐ लीलायनम॥ॐ यन
सुहृदायन॥ॐ सिद्धिनिनायकायनम॥ॐ गंगामुतायनम॥ॐ

पार्वतिहृदयानन्दनायनम॥ॐ उन्नयवासविद्युश्च जायनम॥
वाहनादि॥ॐ दनयक्षाययक्ष॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ गंगासदृश॥
ॐ नन्दायनम॥ॐ रुद्रायनम॥ॐ सुसैनसैनम॥ॐ सुसिलायनम॥
ॐ सुगवैनम॥ॐ उन्नयनायनम॥ॐ उन्नयगमसदृशयनम॥ॐ वा
हनादि॥ॐ दनयक्षाययक्ष॥ ७ ॥ ॥ ॥ ॥ कोसाविष्ठ॥ॐ उन्नय
नायनम॥ॐ साहज्ययनम॥ॐ कोसालिनम॥ॐ वैष्णवयनम॥ॐ क
जाकैनम॥ॐ उन्नययनम॥ॐ उन्नययनम॥ॐ महालक्ष्म्यनम॥
नवग्रहयनम॥ॐ सकिष्णयनम॥ॐ मयूनायनम॥ॐ

[illegible]

य न म॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ लक्ष्मी नमः ॥ ॐ वज्र नमः ॥ ॐ वा
 हनादि ॥ वलि पूजा ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ कलक ग्या लाय नमः ॥
 ॐ सख नमः शिवाय नमः ॥ ॐ नमः शिवाय नमः ॥ ॐ गलक ग्या लाय नमः ॥
 ॐ वज्रक ग्या लाय नमः ॥ ॐ महारूपक ग्या लाय नमः ॥
 ॐ भिदक ग्या लाय नमः ॥ ॐ सर्वरूपक ग्या लाय नमः ॥ ॐ वाहनादि ॥ लंखुवनि
 पूजा ॥ ॐ उद्विष्टक ग्या लाय नमः ॥ ॐ कर्कक ग्या लाय नमः ॥ ॐ अहंका
 रक ग्या लाय नमः ॥ ॐ सर्वरूपक ग्या लाय नमः ॥ ॐ वाहनादि ॥ ॐ द्वाप ग्या लाय
 नमः ॥ ॐ कग्या लाय नमः ॥ ॐ लोक ग्या लाय नमः ॥ ॐ धर्मसिन्धु जाय नमः ॥

ASHA ARCHIVES 3184

वाहनादि ॥ धूप ॥ ॐ नाना गुरुसमूह नमः ॥ ॐ गन्ध वल्कला गिरि ॥ १५
 वानंदक रं धूपं यतिगच्छति नासर्ग ॥ १६ यमक ॥ ॐ अथ काय हर्त ॥ ॐ
 धृतं लससा गिरि ॥ १७ हा दी य प रं ॐ तिग हान सा मुग ॥ नवय ॥
 ॐ उ अ काला चित्तमर्गं गलु लो हव सं गृहं ॥ १८ अ मूल रु ला हा रं गृह्णा
 य य म ॥ १९ हल य कान ॥ ॐ नाना रूप स सा इ कं य कानं वि वि ध न
 ने ॥ २० सह सा य या ति न न न सा मुगं सह ॥ २१ क सक न स ॥ ॐ धूर्त व नु
 निरुज ल्य दं य नं ग ल स वा ज्ञा ल वि वृ ह रं नि र्ध रं य दा य ज या य व ॥
 सि धु म्भ र स ॥ ॐ सि धु रं द व द वा य प्रिया आ ग नि स लु रं ॥ २२ सर्वा ध रं

प्रदा धाल सिंदू प्रतिष्ठ कृता पाञ्चद्वि वि य पा वाला ह क ल्य ह्या दि ५
अद्या दि ५ ॐ अर्धायि दद द वा य ॥ १० ॥ वा य नि व द य ५ चतुर्वर्ग द ल
द कि ॥ अर्धायि य नि ग कृता पा ॥ ३ ॥ वा य ५ ॐ क्रीं क्रीं हि वा य मूर्ति य स्वा हा ५
सा ग ५ ॐ नमः शि वा य ५ य थ मी तु स हा द वः द्वि तिर्य य स ह १० ५ गी ति
यं ह्रीं कं जं ना मः चतुर्थ वि व त १० ५ य च म की ति वा सं च व र्कं वां म ग
ना म न ५ स फ स द व द व ह्रीं ह्रीं कं ल्य वा पू स रु व त ५ न व स १० १० ५
या कं द ५ स या व ती प्रि य ५ च द स का द ५ ना मः द्वा द ही शि व स र्ग
५ ॥ १० ॥ पु ल्ले व कृ ता द्यु १० ५ व कृ ता गु पु त ल्य ग ५ पि वा ल द्या त का १०
वः गु ना था वि व लि र्ति ५ म् अ ग न स व या वे स्थाः शि व ला र्क म हा य

ॐ नमः शिवाय ॥ सुदुःखनायः ॥ सा ननु यायः ॥ का जलानुनदीतयः ॥
 शिवदयसिद्धिस्तान् ॥ सा गति यज ॥ जनाधिपदद्विषः ॥ विष्णु
 स्वजसह ॥ स्वज ॥ सर्वस्वानविह्वल ॥ यदा न कनमी सुत ॥ जने
 तका नि संयुक्तः ॥ जने ता संनि संस्तिता ॥ जने त ॥ किं शाळा यजम
 स्वजनमी सुत ॥ यजा यज यज यज ॥ उत्पन्न स्थिति का जल ॥ सर्वा
 धीसाधनद्वयः ॥ विश्व ॥ स्वजनमी सुत ॥ वदु नूय महा नूय ॥ सर्व नू
 धा ॥ मा कर्म ॥ ये ॥ गुया सानवा ता ॥ त ॥ वज या य नमी सुत ॥ स्व सा द
 निमला लातिः ॥ सर्वशायि ॥ दा शिव ॥ था गथा गी महा था गीः ॥ था ॥

